विज्ञान प्रकाश वर्ष 22, अंक 4, अक्टूबर - दिसम्बर, 2024 ISSN : 1549-523-X

## श्रीलक्ष्मणाचार्य की संस्कृत रचना नामरामायण से.....

### ।। उत्तरकाण्डः ।।

आगतमुनिगणसंस्तुत राम ।। विश्रुतदशकण्ठोद्भव राम ।।
सीतालिङ्गननिर्वृत राम ।। नीतिसुरक्षितजनपद राम ।।
विपिनत्याजितजनकज राम ।। कारितलवणासुरवध राम ।।
स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत राम ।। स्वतनयकुशलवनन्दित राम ।।
अश्वमेधक्रतुदीक्षित राम ।। कालावेदितसुरपद राम ।।
आयोध्यकजनमुक्तिद राम ।। विधिमुखविबुधानन्दक राम ।।
तेजोमयनिजरूपक राम ।। संसृतिबन्धविमोचक राम ।।
धर्मस्थापनतत्पर राम ।। भक्तिपरायणमुक्तिद राम ।।
सर्वचराचरपालक राम ।। सर्वभवामयवारक राम ।।
वैकुण्ठालयसंस्थित राम ।। नित्यानन्दपदस्थित राम ।।
राम राम जय राजा राम ।। राम राम जय सीता राम ।।
राम राम जय राजा राम ।। राम राम जय सीता राम ।।

।। इति नामरामायणम् ।।

नामरामायण संस्कृत में ऋषि वाल्मीकि द्वारा विरचित महाकाव्य रामायण का लघु संस्करण है। इसके रचयिता श्रीलक्ष्मणाचार्य हैं। नामरामायण में वाल्मीकि रामायण के ही समान बाल, अयोध्या, किष्किन्धा, सुंदर, युद्ध और उत्तरकाण्ड हैं। उपर्युक्त सात काण्डों में वर्गीकृत इस ग्रंथ में भगवान् राम के संपूर्ण जीवन चरित्र को 108 नामों के माध्यम से चित्रित किया गया है। नामरामायण दक्षिण भारतीय राज्यों अर्थात् तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में अधिक लोकप्रिय है। प्रस्तुत अंक में नामरामायण का उत्तरकाण्ड उद्धृत है।

Designed & Printed @ Guruji Prints 9811839880